बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-२ ला अंक-११५ वा सोमवार १५ जून २०२६ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

दैनिक भारत कि
तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

ऑपरेशन टाइगर रोकने के लिए उद्धव ठाकरे सतर्क

मातोश्री पर बैठक: ४ खासदार प्रत्यक्ष, ५ की ऑनलाइन हाजिरी!

मुंबई: जमीर काजी कि रिपोर्ट

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस में फूट पड़ने के बाद, महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव ठाकरे) गुट के खासदारों को तोड़ने के लिए 'ऑपरेशन टाइगर' चलाए जाने की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इससे उद्धव ठाकरे सतर्क हो गए हैं। रविवार को उन्होंने मातोश्री निवास पर बुलाई गई खासदारों की बैठक में लोकसभा के ४ सदस्य प्रत्यक्ष रूप से हाजिर रहे, जबकि ५ सदस्यों ने ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराई। सभी ने पार्टी के साथ एकनिष्ठ रहने की गारंटी दी, जैसा कि सांसद संजय राउत ने बताया।

दो महीने पहले महिला आरक्षण और मतदाता क्षेत्र पुनर्गठन विधेयक पर करारी हार झेलने के बाद, मोदी सरकार इसे लोकसभा में फिर लाने की तैयारी कर रही है। इससे अन्य दलों के खासदारों को तोड़कर दो-तिहाई बहुमत जुटाने के प्रयास चल रहे हैं। इसलिए उद्धव ठाकरे ने अपने खासदारों को फूटने से बचाने के लिए कसी हुई है और मातोश्री पर बैठक बुलाई थी। इस बैठक में कितने खासदार पहुंचते हैं, इस पर सबकी नजर थी।

बैठक में उपस्थित खासदार:

प्रत्यक्ष हाजिर: अरविंद सावंत, राजाभाऊ वाजे, संजय दिना पाटिल, अनिल देसाई।

ऑनलाइन (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से): संजय देशमुख (यवतमाल-वाशिम), नागेश पाटिल-आष्टीकर (हिंगोली), संजय जाधव (परभणी), भाऊसाहेब वाकचौरे (शिर्डी), ओमराजे निंबाळकर (धाराशिव)।

संजय राउत ने कहा, शिवसेना के सभी खासदार एकजुट हैं और हमें किसी की कोई डर नहीं है। यह बैठक 'ऑपरेशन टाइगर' के बाद की नहीं, बल्कि नियमित बैठक है। हर महीने उद्धव ठाकरे लोकसभा खासदारों की बैठक लेते हैं। 'ऑपरेशन टाइगर' के बारे में हमें कुछ नहीं पता। हम खुद वाघ हैं। हम विपक्ष का 'ऑपरेशन लांडगा' करेंगे। (सत्ताधारियों पर तंज)

मेरा और शिंदे का अच्छा संबंध है:

मैं उद्धव ठाकरे के साथ हूं और मुझे कोई ऑफर नहीं आई है। मेरा एकनाथ शिंदे से पुराना और व्यक्तिगत संबंध है। वे उपमुख्यमंत्री हैं, इसलिए काम या घरेलू समारोहों में हम मिलते रहते हैं, यह बात संजय दिना पाटिल ने कही।

वक्फ संपत्ति समाज के कल्याण के लिए है

वाद-विवाद और मतभेदों को अलग रखकर एकजुट हों-वक्फ बोर्ड अध्यक्ष समीर काजी का आह्वान

काजी अमान/बीड

जब तक वक्फ संपत्तियों से संबंधित विवाद पूर्ण रूप से समाप्त नहीं हो जाते और सभी मुकदमे खत्म नहीं हो जाते, तब तक हम प्रगति नहीं कर सकते। इसलिए हमें आपसी वाद-विवाद और मतभेदों को एक तरफ रखकर एकजुट होना चाहिए। क्योंकि वक्फ संपत्ति समाज के कल्याण के लिए है, इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर अगर समाज संगठित होता है तो विकास का रास्ता खुल जाएगा।

यह बात महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के युवा और शपशीसशींळल अध्यक्ष समीर काजी ने कही। सोलापुर में शनिवार को आयोजित वक्फ संवाद मेलावे को संबोधित करते हुए वे बोल रहे थे।

समीर काजी ने आगे कहा कि वक्फ संशोधन कानून देश में लागू हो चुका है। इस कानून के अनुसार मस्जिद, मदरसा, ईदगाह, कब्रिस्तान और दरगाह का रजिस्ट्रेशन केवल उम्मीद पोर्टल के माध्यम से ही होगा। लोगों की सुविधा के लिए राज्य के हर जिले में वक्फ बोर्ड का कार्यालय शुरू किया गया है। आवश्यक दस्तावेज लेकर जाने पर जिला वक्फ अधिकारी उम्मीद पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कैसे करना है, इसकी पूरी जानकारी देंगे।

हालांकि इन अधिकारियों के पास जिले की कई समस्याएं होती हैं, जिन्हें उन्हें हल करना पड़ता है। इसलिए रजिस्ट्रेशन का काम उतनी तेजी से नहीं हो पाएगा जितनी अपेक्षा की जा रही है।

समीर काजी ने सोलापुर वासियों से अपील की कि शहर में जैसे सेतु सुविधा केंद्र जैसे प्राइवेट डेटा सेंटर चल रहे हैं, उसी तरह रजिस्ट्रेशन को तेज गति देने के लिए उम्मीद पोर्टल का अलग सेंटर शुरू किया जाए। इसके लिए हम ४-५ युवाओं को ट्रेनिंग देंगे, ▶▶पान ४ पे

सैयद वसीम इनामदार ने एलएलबी और एआईबीई परीक्षा में हासिल की शानदार सफलता

औरंगाबाद (प्रतिनिधि): औरंगाबाद के युवा पत्रकार एवं विधि स्नातक सैयद वसीम इनामदार ने एलएलबी (LLB) की पढ़ाई सफलतापूर्वक पूर्ण करने के साथ-साथ ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन (AIBE) को भी A ग्रेड के साथ उत्तीर्ण कर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।

सैयद वसीम इनामदार इससे पहले पत्रकारिता की डिग्री भी प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य करते हुए मराठी के प्रतिष्ठित दैनिक दिव्य मराठी तथा देश की अग्रणी समाचार एजेंसी Press Trust of India (पीटीआई) में अपनी सेवाएं दी हैं। पत्रकारिता और विधि शिक्षा दोनों क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियां युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

एलएलबी और एआईबीई जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सैयद वसीम इनामदार ने अपने शैक्षणिक और व्यावसायिक जीवन में एक नई उपलब्धि दर्ज की है। उनके मित्रों, शुभचिंतकों तथा विभिन्न सामाजिक एवं पत्रकारिता क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाई दी है।

दैनिक तामीर भी इनामदार फॅमेली को मुबारकबाद पेश करता है।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर "ReelSeRealTalk" प्रतियोगिता का आयोजन

विशेष प्रतिनिधि

मुंबई : लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर मुंबई प्रदेश युवा कांग्रेस की ओर से "ReelSeRealTalk' नामक विशेष सोशल मीडिया रील प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। युवाओं से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर अपने विचार बेबाकी से रखने के लिए अधिक से अधिक संख्या में युवाओं से इस प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील मुंबई युवा कांग्रेस की अध्यक्ष जीनत शबरीन ने की है।

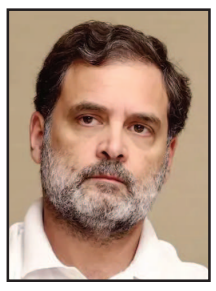

इस प्रतियोगिता के लिए बेरोजगारी, पेपर लीक और महंगाई जैसे तीन महत्वपूर्ण विषय निर्धारित किए गए हैं। प्रतिभागियों को इनमें से किसी एक विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए एक रील तैयार करनी होगी।

प्रतियोगियों को अपनी तैयार की गई रील १७ जून तक अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करनी होगी। रील पोस्ट करते समय mumbaiiyc के आधिकारिक हैंडल को टैग करना तथा ReelSeRealTalk हैशटैग का उपयोग करना अनिवार्य होगा। आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि रील में आवाज और वीडियो स्पष्ट होना चाहिए तथा किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक, अश्लील या अपमानजनक भाषा का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए।

प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ तीन रीलों को नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रथम पुरस्कार ११,००० रुपये, द्वितीय पुरस्कार ५,००० रुपये तथा तृतीय पुरस्कार ३,००० रुपये निर्धारित किया गया है।

देश में बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और पेपर लीक जैसी गंभीर समस्याओं पर युवाओं को अपनी राय प्रभावी ढंग से ▶▶पान ४ पे

परवेज दिलशाद का MPSC से FDI

इंस्पेक्टर के लिए चयन

बीड संवाददाता

बीड जुना बाजार के सय्यद नूरुलमुक़तदा क़ादरी के नातू परवेज दिलशाद ने इस वर्ष महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग कि परिक्षा से अन्न व औषध इंस्पेक्टर के उहदे लिए कामयाबी हासिल कि है , नेवासा तालूका के रास्ता पुर के छोटे से गांव में बिना कोचिंग के परवेज ने स्पर्धा परीक्षा पास कि है , परवेज के पिता ट्रक ड्राइवर है।

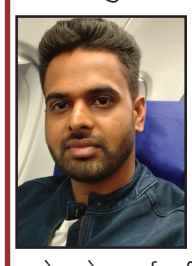

वो बीड के व्यापारी हारुन क़ादरी के भांजे और मुसा क़ादरी के दामाद है।

दैनिक तामीर परवेज कि इस कामयाबी पर दोनों खानदान को मुबारकबाद पेश करता है।

MPDA कानून के तहत आम नागरिकों में दहशत फैलाने वाले आरोपी को हर्सूल कारागार भेजा गया

बीड संवाददाता

आम नागरिकों में भय और दहशत का माहौल पैदा करने वाले एक सराईत आरोपी के खिलाफ पुलिस प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई करते हुए उसे एमपीडीए (MPDA) कानून के तहत गिरफ्तार कर हर्सूल केंद्रीय कारागार भेज दिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध गंभीर प्रकृति के कई आपराधिक मामले दर्ज थे तथा उसकी गतिविधियों से क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक शांति प्रभावित हो रही थी।

पुलिस द्वारा आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड और उसके विरुद्ध उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर एमपीडीए के अंतर्गत प्रस्ताव तैयार कर जिला प्रशासन को भेजा गया था। मामले की जांच और समीक्षा के बाद सक्षम प्राधिकारी ने आरोपी को स्थानबद्ध करने के आदेश जारी किए। आदेश प्राप्त होने के बाद पुलिस टीम ने आरोपी को हिरासत में लेकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हर्सूल कारागार में दाखिल कराया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भविष्य में भी ऐसे असामाजिक और दहशत फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगा।

राज ठाकरे को राऊत का 'इंडिया' में शामिल होने का आमंत्रण

ठाकरे बंधुओं को देश का नेतृत्व करने का आह्वान

मुंबई: जमीर काजी

शिवसेना (यूबीटी) के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राऊत ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे को अप्रत्यक्ष रूप से खछऊख-गठबंधन में शामिल होने का आमंत्रण देते हुए कहा है कि राज ठाकरे को उद्धव ठाकरे के साथ हाथ मिलाकर देश का नेतृत्व करना चाहिए और पूरे देश में शिवसेना का भगवा झंडा फहराना चाहिए।

रविवार को राज ठाकरे के जन्मदिन के अवसर पर संजय राऊत ने यह बयान दिया, जिससे राज्य की राजनीति में नई चर्चा शुरू हो गई है। पत्रकारों से बातचीत में राऊत ने कहा,

राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे पहले ही एक साथ आ चुके हैं। राज ठाकरे में राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा योगदान देने और नेतृत्व करने की अपार क्षमता है। इसलिए उनके पुराने मित्र के नाते मेरी यही अपेक्षा है कि अब दोनों भाई मिलकर देश की राजनीति करें और देश का नेतृत्व करें। दोनों को हाथ में हाथ डालकर शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे द्वारा दिए गए प्रखर विचारों को पूरे देश में इस तरह फैलाना चाहिए कि पूरा देश फिर से एक बार भगवा झंडे के नीचे एकजुट हो जाए।

राज ठाकरे का प्रतिक्रिया का इंतजार

संजय राऊत के इस बयान के बाद अब यह देखा जा रहा है कि ठाकरे ब्रांड को राष्ट्रीय ▶▶पान ४ पे

नासिक के कुसुमाग्रज मराठी प्रतिष्ठान में पद्मश्री बशीर बद्र को भावभीनी श्रद्धांजलि

साहित्य और साहित्यकार भाषाओं के मोहताज नहीं बशीर बद्र की शायरी ने दिलों को जोड़ने का कार्य किया

अक़िल ख़ान बियावली जलगांव

उर्दू भाषा और साहित्य की प्रतिष्ठित, प्रख्यात एवं युगप्रवर्तक हस्ती, आधुनिक ग़ज़ल के चमकते सितारे, पद्मश्री प्रोफेसर डॉ.बशीर बद्र के निधन से साहित्य जगत शोकाकुल हो उठा है। उनके इस संसार से विदा होने पर जहाँ उर्दू जगत के शायरों, साहित्यकारों और आलोचकों ने गहरे दुःख का इज़हार किया, वहीं अन्य भाषाओं से जुड़े लेखकों और कलाकारों ने भी उनकी साहित्यिक सेवाओं को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

बशीर बद्र की शायरी, विशेषकर उनकी ग़ज़लें, केवल उर्दू साहित्य तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने भाषाओं, क्षेत्रों और संस्कृतियों की सीमाओं को पार करते हुए दिलों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। यही कारण है कि उनके प्रशंसक केवल भारतीय उपमहाद्वीप में ही नहीं, बल्कि विश्वभर में मौजूद हैं। पश्चिमी देशों के पुस्तकालयों में भी उनके हजारों शेर अपनी साहित्यिक गरिमा के साथ सुरक्षित हैं। इसी साहित्यिक सौहार्द और भाषाई एकता की सुंदर मिसाल हाल ही में नासिक में देखने को मिली, जो महाराष्ट्र में मराठी साहित्य का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। मराठी के ▶▶पान ४ पे

अलखैर फाउंडेशन का 'शानदार सम्मान समारोह' आयोजित; ३५० से अधिक छात्रों में स्कूल बैग और शैक्षिक सामग्री वितरित

आर्किटेक्ट अरशद, मुजतबा फारोख और जज वहाब सैयद की विशेष उपस्थिति

बीड (प्रतिनिधि): पिछले ८ वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय बीड की 'अलखैर मल्टी पर्पज फाउंडेशन' द्वारा शनिवार, १३ जून २०२६ को 'शानदार सम्मान समारोह एवं जरूरतमंद छात्रों में मुफ्त शैक्षिक सामग्री वितरण' कार्यक्रम बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। शहर की जम-जम कॉलोनी स्थित सर सैयद अहमद खान स्कूल में दोपहर २:३० बजे आयोजित इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र पुलिस फोर्स में हाल ही में चयनित नए पुलिस कर्मियों और १०वीं कक्षा पास करने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर ३५० से अधिक अनाथ और जरूरतमंद छात्रों को स्कूल बैग, ६ रजिस्टर, पेन, पेंसिल, रबर, स्केल आदि से युक्त शैक्षिक किट वितरित की गई। इससे कई छात्रों की शिक्षा में आने वाली बाधाओं को दूर करने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम में शिक्षा, सामाजिक सेवा और पत्रकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले ८ सम्मानित व्यक्तियों और उनकी टीमों को सम्मान चिह्न और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इनमें शामिल हैं: सैफ अली सर (शैक्षिक मार्गदर्शक), असमा खान रईस खान (आइकॉनिक पत्रकार पुरस्कार), विक्टिम शेल्टर (सोशल इम्पैक्ट अवॉर्ड), शेख अदील सर (डॉ. अल्लामा इकबाल अवॉर्ड), सैयद शम्सुल आबिदीन (मौलाना अबुल कलाम आजाद अवॉर्ड), मोमिन रईस मोमिन नजीर (सर सैयद थानी अवॉर्ड), सौतुल इस्लाम फाउंडेशन (खिदमत-ए-इंसानियत अवॉर्ड)। साथ ही अलखैर पुलिस भर्ती ट्रेनिंग सेंटर के फिजिकल ट्रेनर डॉ. शकील सर को विशेष सम्मान दिया गया। महाराष्ट्र पुलिस फोर्स में चयनित ८ उम्मीदवारों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

समारोह की अध्यक्षता माननीय जज डॉ. वहाब सैयद ने की। केंद्रीय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन मुजतबा फारोख का मार्गदर्शन प्राप्त रहा, जबकि अंतरराष्ट्रीय आर्किटेक्ट डॉ. आर. अरशद शेख विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर शेख वकील अहमद सर, मोमिन अब्दुल खालिद सर, सैयद फिरोज अली सर, मथन जोगदंड सर, सीनियर वकील एडवोकेट जावेद साहब, डॉ. इमरान सर और एशिया न्यूज के पत्रकार समीर सर उपस्थित थे।

मुख्य वक्ता डॉ. अरशद शेख ने अभिभावकों और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों में रचनात्मक सोच (क्रिएटिव थिंकिंग) विकसित करें, उन्हें खेलने का अवसर दें और बेहतरीन ट्रेनिंग देकर एक अच्छा इंसान बनाएं। समारोह के अध्यक्ष जज डॉ. वहाब सैयद ने अभिभावकों को बच्चों के मौलिक अधिकारों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी कठिन समय में घबराएं नहीं, प्रशासन और अदालत बच्चों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए हमेशा तैयार है।

फाउंडेशन के अध्यक्ष इंजीनियर अजहर इनामदार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया, उपाध्यक्ष मोमिन रजिउद्दीन ने स्वागत भाषण दिया, जबकि सचिव आमिर खान ने संचालन किया। अतुल केदार सर, आतिफ सैयद, शेख रफत शाह रुख, मोहसिन करीम, वसीम खान, शाहबाज खान, इसरार भाई, अरहम साबरी, अयान भाई, बास ग्रुप, अलखैर क्लिनिक का स्टाफ और पूरी अलखैर टीम ने कार्यक्रम की सफलता के लिए विशेष मेहनत की।

समाजिक जिम्मेदारी को दर्शाने वाला यह कार्यक्रम जरूरतमंद छात्रों के लिए एक बड़ी सहायता साबित हुआ है।

अल्पसंख्यक संरक्षण कानून आंदोलन के लिए लोकसेना संघटना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा

बीड़ प्रतिनिधि: अल्पसंख्यक संरक्षण कानून आंदोलन के लिए लोकसेना संघटना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से मैं ॲड. प्रो. इलियास इनामदार इस्तीफा दे रहा हूँ। जब तक समाज को संरक्षण नहीं मिल जाता, तब तक मैं बेबाक़ी से लोकतांत्रिक तरीके से लड़ता रहूँगा।

भविष्य में मैं कोई भी चुनाव नहीं लड़ूँगा, न ही किसी राजकीय या सामाजिक संगठन का कोई पद ग्रहण करूँगा और न ही किसी लाभ के पद पर काम करूँगा।

पिछले पच्चीस वर्षों से सामाजिक क्षेत्र में काम करते हुए और सामाजिक आंदोलनों के माध्यम से शिक्षा, आरक्षण तथा संरक्षण के मुद्दे पर दो-दो लाख लोगों के मोर्चे निकाले, लेकिन उन आंदोलनों का राजनैतिक भंडारण करके मैंने किसी भी नेता या पार्टी से चुनाव टिकट, पार्टी पद या कोई गुट्टेदारी नहीं माँगी। चुनावों में किसी नेता से कभी दस रुपये भी नहीं लिए और आगे भी नहीं लूँगा।

मौलाना मुफ्ती आरेफ साहब उलेमा इकराम के समक्ष ईश्वर (अल्लाह) के घर में बैठकर समाज को एकजुट करूँगा और समाज के लिए संवैधानिक व लोकतांत्रिक मार्ग से संरक्षण की लड़ाई लड़ूँगा। मैंने बेमुदत उपोषण करने का आश्वासन दिया है और उसी दिशा में काम शुरू है। यह जानकारी ॲड. प्रो. इलियास इनामदार ने दी है।

देश और राज्य में अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज पर कई प्रकार के अन्याय और अत्याचार हो रहे हैं – जातीय दंगे, मॉब लिंचिंग, हेट स्पीच, धार्मिक स्थलों पर हमले व अपमान, समाज पर बहिष्कार, सोशल मीडिया पर अनाप-शनाप बयान (जैसे लांडे, कठमुल्ले, जेहादी, हलाल की औलाद, पाकिस्तानी, बांग्लादेशी आदि) देकर असंवैधानिक वक्तव्य करना और दो समाजों के बीच तनाव पैदा करना।

इन सब से अल्पसंख्यक समाज (मुस्लिम, बौद्ध, ईसाई, जैन, पारसी, सिख और खासकर मुस्लिम समाज) के संरक्षण के लिए अल्पसंख्यक संरक्षण संघर्ष समिति का गठन किया गया है।

यह समिति सरकार से संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीके से अल्पसंख्यक संरक्षण कानून बनाने की माँग कर रही है और सड़क पर आंदोलन तथा अदालत के माध्यम से लड़ाई लड़ेगी।

इस समिति में मैं एक साधारण सदस्य और निमंत्रक हूँ।

समाज के संरक्षण के लिए २२ जून से विधानमंडल का मानसून सत्र शुरू हो रहा है। इस सत्र में अल्पसंख्यक संरक्षण कानून के मुद्दे को लक्ष्यवेधी बनाने के लिए सभी विधायकों को ज्ञापन दिया गया है। मुंबई के आज़ाद मैदान पर २२ जून से समिति की ओर से प्रतीकात्मक उपोषण शुरू किया जाएगा।

समाज के लिए मेरे अब तक के त्याग, बलिदान और संघर्ष को ध्यान में रखते हुए समाज को इस आंदोलन में निस्वार्थ भाव से जुड़ना चाहिए और समाज को न्याय दिलाना चाहिए।

यह अपील और जानकारी समिति के सदस्य व निमंत्रक ॲड. प्रो. इलियास इनामदार ने दी है।

श्रीक्षेत्र बेलेश्वर संस्थान में अधिकमास के अवसर पर अखंड हरिनाम सप्ताह का भक्तिमय समापन

महंत बबन बहिरवाळ महाराज के 'काल्याच्या कीर्तन' से भाविक हुए मंत्रमुग्ध

लिंबागणेश (दिनांक १४): बीड तालुका के बेलगाव स्थित श्रीक्षेत्र बेलेश्वर संस्थान में अधिकमास के अवसर पर दिनांक ७ जून से मठाधिपति महंत शांति ब्रह्म तुकाराम महाराज भारती के मार्गदर्शन में चल रहे अखंड हरिनाम सप्ताह एवं श्री संत तुकाराम महाराज गाथा पारायण सोहळे का आज दिनांक १४ रविवार को ह.भ.प. बबन महाराज बहिरवाळ (श्री संत मदन महाराज संस्थान, कडा) के सुश्राव्य काल्याच्या कीर्तन के साथ भक्तिमय वातावरण में समापन हुआ।

गुरुवर्य महंत मठाधिपति महादेव भारती महाराज एवं मठाधिपति शांति ब्रह्म तुकाराम भारती महाराज के मार्गदर्शन में यह सप्ताह बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। समापन अवसर पर बबन महाराज बहिरवाळ के अमृततुल्य काल्याच्या कीर्तन ने उपस्थित भाविकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर ह.भ.प. अर्जुन महाराज येडे, ह.भ.प. रंजीत महाराज, ह.भ.प. बबन महाराज वायकर, ह.भ.प. तुकाराम महाराज भोसले, ह.भ.प. बाबासाहेब महाराज शिंदे, किशोर महाराज येडे, माऊली महाराज शेळके, ह.भ.प. बाबा देशमुख महाराज, अशोक येडे आदि की प्रमुख उपस्थिति रही।

काल्याच्या कीर्तन में बबन महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाललीलाओं से लेकर अवतार समाप्ति तक के पूरे जीवन यात्रा का रसपूर्ण निरूपण किया। यह सारा विश्व ही मेरा घर है इस तत्त्वज्ञान का संदेश देते हुए उन्होंने नामस्मरण, समभाव और विश्वबंधुत्व को ही सच्ची भक्ति बताया।

सप्ताह के दौरान विभिन्न नामचीन कीर्तनकारों ने समाजप्रबोधनपर कीर्तन सेवा प्रदान की।

दिनांक ७ जून: ह.भ.प. रंजीत महाराज शिंदे (निनगुर)

दिनांक ८ जून: ह.भ.प. बाबासाहेब महाराज शिंदे (वैद्यकिन्ही)

दिनांक ९ जून: ह.भ.प. कृष्णा महाराज उबाळे (च-हाटा)

दिनांक १० जून: ह.भ.प. दत्ता महाराज वायभट (पिंपरनई)

दिनांक ११ जून: ह.भ.प. त्र्यंबक महाराज मातकर (वरवटी)

दिनांक १२ जून: ह.भ.प. सुरेश महाराज जाधव (न्यूज १८ मराठी, बीड जिला प्रतिनिधि)

दिनांक १३ जून: ह.भ.प. बबन महाराज मंझरीकर

पंचक्रोशी के विभिन्न गांवों के मृदंगाचार्यों, वारकरियों और भजनी मंडलों के सहयोग से हरिजागर, प्रवचन, भजन, हरिपाठ, पारायण, गाथा और काकडा आदि विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महाशिवरात्र उत्सव समिति बेलगाव, बेलगाव तरुण मंडल और विश्वस्त मंडल की ओर से कार्यक्रम का सुव्यवस्थित आयोजन किया गया। पुरणपोळी का महाप्रसाद

काल्याच्या कीर्तन के बाद पंचक्रोशी के भाविकों द्वारा घर से वाद्य-गान के साथ लाई गई पुरणपोळी, गुळवणी, आमटी, कुरडई एवं भजी के महाप्रसाद का भाविकों ने बड़ी श्रद्धा से आस्वादन किया।

इस पूरे सप्ताह भर पंचक्रोशी के भाविकों की भारी संख्या में उपस्थिति रही।

पान १ वरून

वक्फ संपत्ति समाज के...

जिससे रजिस्ट्रेशन का काम आसान हो जाएगा।

जो समस्याएं जिला वक्फ कार्यालय में हल नहीं हो पातीं, उन्हें हल करने के लिए मैं मुंबई, छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) और बीड कार्यालय में उपलब्ध रहूंगा।

वक्फ संवाद मेलावे में रखी गई वक्फ संपत्तियों से जुड़ी समस्याओं और लिखित आवेदनों पर निश्चित रूप से ध्यान दिया जाएगा और सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। साथ ही वक्फ संपत्तियों पर बुरी नजर रखने वालों और इन संपत्तियों में अनधिकृत हस्तक्षेप करने वालों पर बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कार्यक्रम की जानकारी:

महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के (राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त) अध्यक्ष समीर गुलाम नबी काजी की प्रमुख उपस्थिति में शनिवार, १३ जून २०२६ को सोलापुर के फॉरेस्ट मस्जिद हॉल में वक्फ संवाद मेलावा आयोजित किया गया था।

इस मेलावे का मुख्य उद्देश्य वक्फ संस्थाओं से सीधा संवाद स्थापित करना, उनकी समस्याएं सुनना, वक्फ संपत्तियों का समाजहित में बेहतर उपयोग करना और वक्फ प्रबंधन को अधिक पारदर्शी व सक्षम बनाना था।

कार्यक्रम में सोलापुर के शहर-ए-काजी अमजद काजी, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य वसीम बुरहान, मलंग सेठ हाजी एम.डी. शेख, हाजी मकबूल मोहोळकर, हाजी शकील मौलवी, तोफीक पहेलवान, जमीर शेख, मूसा मुर्शद, महाराष्ट्र कुरेशी समाज संघटन के अध्यक्ष अय्यूब कुरेशी, कार्यक्रम संयोजक आखेब शेख, समीर काजी के निजी सहायक सय्यद अब्दुल रहीम उर्फ बाबाभाई सहित सोलापुर जिले की विभिन्न वक्फ संस्थाओं, मुतवल्लियों, मस्जिदों, दरगाह समितियों के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

उपस्थित लोगों ने अपनी समस्याएं और सुझाव सीधे अध्यक्ष समीर काजी के सामने रखे और वक्फ संस्थाओं के सर्वांगीण विकास की अपेक्षा व्यक्त की।

राहुल गांधी के जन्मदिन...

रखने, सामाजिक एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी दर्ज कराने तथा जनसरोकार के मुद्दों को आवाज देने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

अधिक जानकारी के लिए इच्छुक प्रतिभागी ९०८२२९८०४६ नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। यह जानकारी मुंबई युवा कांग्रेस की ओर से जारी की गई है।

नासिक के कुसुमाग्रज मराठी...

महान कवि वि. वा. शिरवाडकर (कुसुमाग्रज) के नाम पर स्थापित कुसुमाग्रज मराठी प्रतिष्ठान ने उर्दू के लोकप्रिय शायर बशीर बद्र की स्मृति में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर यह संदेश दिया कि साहित्य किसी एक भाषा या समुदाय की जागीर नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता की साझा धरोहर है। इस गरिमामयी साहित्यिक सभा की अध्यक्षता ऑल इंडिया रेडियो के पूर्व अधिकारी तथा मुस्लिम लाइब्रेरी, मालेगांव के प्रेरणास्रोत जावेद अंसारी ने की। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में उन्होंने भोपाल, इंदौर, जलगांव और अन्य स्थानों पर बशीर बद्र के साथ हुई मुलाकातों, मुशायरों और साहित्यिक गोष्ठियों की स्मृतियों को अत्यंत रोचक और साहित्यिक शैली में प्रस्तुत किया, जिसने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतिष्ठान के पदाधिकारी एडवोकेट नंदकिशोर बत्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बशीर बद्र की शायरी ही उनके लिए उर्दू भाषा से प्रेम का माध्यम बनी। उन्होंने कहा कि बशीर बद्र के अशआर में ऐसी सादगी, प्रभावशीलता और भावनात्मक ऊष्मा है, जो सीधे पाठक के हृदय में उतर जाती है। इस अवसर पर दिवंगत शायर की पत्नी राहत बेगम का विशेष संदेश भी उपस्थित जनों के समक्ष पढ़ा गया, जिसने सभा को और अधिक भावुक बना दिया।

श्रद्धांजलि सभा के दूसरे चरण में संगीत के माध्यम से बशीर बद्र को याद किया गया। ग़ज़ल गायक राजेश भालेराव, संजय बावनकोले तथा गायिका कामठीकर ने बशीर बद्र के चयनित कलाम प्रस्तुत कर श्रोताओं को आध्यात्मिक और साहित्यिक अनुभूति से सराबोर कर दिया।

इस अवसर पर जुबैर सौदागर, एडवोकेट नितिन ठाकरे, अरुण म्हात्रे, प्रशांत केंद्रे, इरशाद वसीम और रियाज़ शेख ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए इस बहुभाषी साहित्यिक आयोजन को उर्दू और मराठी सांस्कृतिक समन्वय की उज्ज्वल मिसाल बताया। यह आयोजन मात्र एक श्रद्धांजलि सभा नहीं था, बल्कि इस सत्य का सशक्त उद्घोष भी था कि भाषाएँ भले अलग-अलग हों, पर साहित्य का हृदय एक ही धड़कन से स्पंदित होता है। बशीर बद्र ने अपनी शायरी के माध्यम से प्रेम, मानवीय संवेदना और आत्मीयता के जिन मूल्यों को स्थापित किया, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे।

निस्संदेह, बशीर बद्र का यह प्रसिद्ध शेर आज भी उनकी संपूर्ण शख्सियत का दर्पण प्रतीत होता है,,

लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में,
तुम तरस नहीं खाते बस्तियाँ जलाने में।

डॉ. बशीर बद्र भले ही शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं रहे, किंतु उनका साहित्यिक अवदान सदैव जीवित रहेगा,दिलों में, पुस्तकों में और गंभीर साहित्य प्रेमियों की संवेदनाओं में।

राज ठाकरे को राऊत का ...

स्तर पर भाजपा को चुनौती देने के लिए तैयार किया जा रहा है या नहीं। खासतौर पर यह देखने को मिल रहा है कि खछऊख- गठबंधन में शामिल होने के इस प्रस्ताव (गुगली) पर राज ठाकरे क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com